जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 57
दिनांक 02.03.2023

मोटे अनाज के उत्पादन, प्रस्संकरण एवं निर्यात के साथ ही कृषकों हेतु सतत् कार्य करने की महती आवश्यकता–श्री दिनेश कुलकर्णी

जनेकृविवि में दो दिवसीय मिलेट्स पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ भव्य समापन

मिलेट्स के शोध फूड पर विशेष पोस्टर प्रदर्शन एवं उत्पादों की प्रदर्शनी के प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर किया गया सम्मानित

जबलपुर 02 मार्च, 2023। आजादी के अमृत महोत्सव, जी–20 के तहत **राष्ट्रीय सम्मेलन मिलेट्स के ''उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणनः समस्याएं एवं समाधान''** विषय पर जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी का भव्य समापन कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की अध्यक्षता एवं भारतीय किसान संघ, अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री दिनेश कुलकर्णी के मुख्यआतिथ्य में हुआ। राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर के मुख्यअतिथि श्री दिनेश कुलकर्णी ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्री अन्न आज के समय पर हर थाली की आवश्यकता बन गई है। मोटे अनाज के उत्पादन, प्रस्संकरण एवं निर्यात के लिये सरकार लगातार किसानों के लिये काम कर रही है। जिससे वे जागरूक हो सकें, और मोटे अनाज की अधिक पैदावार के लिये प्राकृतिक खेती को अपना कर इसकी खेती कर सकें। जिससे इसकी खेती और कम से कम लागत में हो सकें और किसानों को अधिक मुनाफा मिल सकें। श्री कुलकर्णी ने कहा कि सभी प्रकार के मिलेट्स विपरीत परिस्थितियों में भी पैदा होते है। इसमें पोषण मूल्य और गुणवत्ता अधिक पाई जाती है। उन्होंने जीआई टैग और वैरायटी एवं रजिस्ट्रेशन की बात पर भी जोर दिया। आपने मिलेट्स की खेती के संबंध में कृषि वैज्ञानिकों और किसानों को महत्वपूर्ण जानकारी देकर इसे आज के समय की महती जरूरत बताई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि दो दिवसीय मिलेट्स संगोष्ठी के आयोजन में विभिन्न तकनीकी सत्रों में प्राप्त सुझाव व अनुशंसा आगामी समय में कृषकों की उन्नति व प्रगति में सहायक सिद्ध होगी।

दो दिवसीस राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारतीय एग्रो इकानोमिक रिसर्च सेंटर के राष्ट्रीय अध्यक्ष, नई दिल्ली श्री प्रमोद चौधरी, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा, डॉ. आर.आर हंचीनाल, पूर्व कुलपति कृषि विवि.धारवाड़, डॉ. पी.पी. शास्त्री, मेम्बर आईसीएआर गवर्निंग बॉडी नई दिल्ली, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतू, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. पी.बी. शर्मा सहित आदि मंचासीन रहे। संगोष्ठी के समापन के पहले मुख्यअतिथि श्री दिनेश कुलकर्णी द्वारा मिलेट्स के उत्पादों के लगे विभिन्न स्टॉलों को अवलोकन किया गया।

मिलेट्स के मोटे अनाज पर आधारित दो दिवसीय अति विशिष्ट महत्वपूर्ण सम्मेलन में **7 तकनीकी सत्र के माध्यम से महत्वपूर्ण सारांश वैज्ञानिकों द्वारा प्रदान किया गया।** इसमें मृदा स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए मिलेट्स के उत्पादन, तकनीक को तैयार किया जाए, लोकल मिलेट्स की किस्मों के संरक्षण, संवर्धन हेतु जीन बैंक तैयार किया जाए, क्षेत्र विशेष की महत्वपूर्ण फसलों एवं किस्मों को जीआईटैग दिलाने हेतु प्रयास, खाद्यान्न सुरक्षा प्रदान करने में इन सभी पोषण युक्त सुपर फूड का विशेष जोर देने की आवश्यकता है। पारंपरिक विधियों के साथ ही श्री अन्य, अन्य खाद्यान्न के साथ कैसे उपयोग किया जा सकता है। इस विषय पर विशेष कार्य करने की बात कही। वैज्ञानिकों ने बताया कि आदिवासी क्षेत्रों में उगाई जाने वाली मिलेट्स पूर्ण रूप से प्राकृतिक एवं जैविक रूप से उगाई जाती है, अतः आगामी समय में पूर्ण जैविक एवं प्राकृतिक रूप से फसलों के उत्पादन हेतु विशेष कृषि कार्य माला तैयार कर कार्य करना होगा, इसके साथ ही उत्तम बीज की उपलब्धता एवं सही मार्गदर्शन अति आवश्यक है, उत्पादन के साथ ही इसका आम जनमानस में कैसे उपयोग किया जा सकता है, इस हेतु किसानों को जागरूक करना उत्पादन एवं प्रोसेसिंग एवं बाजार में सही मूल्य दिलाने हेतु कार्य करने की आवश्यकता है।

इसकी अधिक से अधिक डिमांड बढ़े, इस हेतु शहरी क्षेत्र में मिड डे मील पोषण सुरक्षा आदि पर कार्य किया जाना चाहिये। इसके साथ ही अन्य फसलों की तरह सभी राज्यों में एमएसपी लागू करने की बात कही। किसान भाइयों ने इस दौरान विशेष रूप से अपनी बात रखते हुए कहा कि हम सभी को उत्तम गुणवत्ता का मोटे अनाजों के बीजों की उपलब्धता इनकी मार्केटिंग, प्रोसेसिंग यूनिट आदि पर विशेष रुप से कार्य करने की आवश्यकता है ताकि हम उत्पादन अच्छा कर सकें।

दो दिवसीय दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर मिलेट्स की साथ टीमों के ऊपर विभिन्न शोधार्थियों द्वारा अपने अपने कार्य क्षेत्र में किए गए मिलेट्स के शोध शोध पत्रों का प्रदर्शन एवं विस्तार से जानकारी प्रदान की गई इस दौरान बेहतर शोध कार्यों हेतु वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के साथ ही विशेष रुप से मिलेट्स के प्रति आम जनमानस में जागरूकता के दृष्टिकोण से विभिन्न प्रकार की प्रदर्शनी लगाई गई थी, इसमें कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से मिलेट्स पर किए जा रहे कार्यों का बेहतर प्रदर्शन एवं जानकारी प्रदान की गई। साथ ही फूड फेस्टिवल के अंतर्गत प्रदर्शनी एवं व्यंजनों की जानकारी हेतु स्टॉल लगाए गए **थे। इसमें प्रथम पुरस्कार खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग** को प्रदान किया गया। **द्वितीय पुरस्कार** स्व–सहायता समूह कुंडम से आई विशेष व्यंजन की श्रृंखला का प्रदर्शन हेतु प्रदान किया गया। मिलेट्स के विभिन्न उत्पाद एवं कृषि संबंधित जानकारी के प्रदर्शनी स्थल पर बेहतर मिलेट्स प्रदर्शनी हेतु **प्रथम पुरस्कार क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र डिंडोरी** को प्रदान किया गया। इसके साथ ही **बेस्ट प्रदर्शनी स्टॉल हेतु द्वितीय पुरस्कार सूक्ष्म जीव अनुसंधान एवं उत्पादन केंद्र (जवाहर जैव उर्वरक केन्द्र) जबलपुर को प्रदान किया गया**।

कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. ब्रजेश दीक्षित, प्रमुख वैज्ञानिक द्वारा किया गया। दो दिवसीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त संचालक, लेखा नियंत्रक,कुलसचिव विभागाध्यक्ष वैज्ञानिक कर्मचारी छात्र–छात्राओं की विशेष सहभागिता एवं उपस्थिति रही।

दो दिवसीय मिलेट्स सम्मेलन के मुख्य आकर्षण–

1. आदिवासी जनजाति क्षेत्रों की जीवन शैली को प्रदर्शित करते हुए सेल्फी प्वाइंट बनाया गया जो काफी आकर्षण का केंद्र रहा।
2. मिलेट्स वूमेन ऑफ इंडिया के नाम से जानी जाने वाली डिंडोरी जिले की लहरी बाई के साथ सेल्फी एवं फोटो लेने हेतु लोगों में विशेष क्रेज रहा।
3. 22 जिलों के कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक एवं किसानों की सहभागिता नाबार्ड के 60 किसान, ने जीआईजेड के 30 किसान, सम्पूर्ण राष्ट्र से 300 से अधिक वैज्ञानिक एवं रिसर्च स्कॉलर 132 पोस्टर का प्रदर्शन एवं 332 शोध आधारित सारांश की संग्रह एवं प्रकाशन किया गया।
4. पॉजिटिव मिलेट्स (श्री अन्न), कोदो, कुटकी, रांगी, सांवा, कंगनी, ज्वार, बाजरा जैसे पोषक अनाजों की प्रदर्शनी लगाई गई है।
5. आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला एवं डिंडोरी के प्रमुख फसल मिलेट्स के विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन कर एवं बने हुये उत्पादों का आनंद जबलपुरवासियों ने उठाया।
6. राष्ट्रीय सम्मेलन में फूड फेस्टिवल एवं प्रदर्शनी का आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा।
7. खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विशेष रूप से विभिन्न प्रकार के मिलेट्स के व्यंजन एवं उत्पाद तैयार कर प्रदर्शनी लगाई गई।
8. स्टॉलों पर प्रमुख रूप से कोदो, कुटकी, सावां, रागी, ज्वार, बाजरा, कंगनी, से बने हुये मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे– मिलेट खीर, खिचड़ी, पास्ता, मफिन, पापड़, डोसा, चीला, इडली, उत्पम, केक, सिवई, बिस्कुट, कुभीरा, मिलेट फ्लेक्स अन्य बेकरी उत्पादों का विक्रय एवं जानकारी प्रदान की गई।
9. संगोष्ठी में मंडला एवं डिण्डारी जिले के स्व–सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित मिलेट्स उत्पाद एवं पारम्परिक व्यंजनों का भी प्रदर्शन एवं विक्रय की विशेष रूप से व्यवस्था की गई
10. मध्यप्रदेश के 22 जिलों के कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किये जा रहे मिलेट्स के कार्यो की एवं उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

देश में मिलेट्स वूमेन ऑफ इंडिया लहरी बाई–

डिंडोरी जिले के ग्राम सिलवानी की आदिवासी महिला सुश्री लहरी बाई जो देश में मिलेट्स वूमेन ऑफ इंडिया के नाम से जाने जाती है, देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा लहरी बाई के मिलेट्स के ऊपर किए जा रहे विशेष कार्य हेतु प्रशंसा एवं सराहना की गई है। सुश्री लहरी बाई 27 वर्ष की अविवाहित महिला जो पिछले 10–12 वर्षों से लगातार माइनर मिलेट्स की 50 से अधिक विलुप्त होती प्रजातियों के बीजों का संग्रह कर जीन बैंक तैयार किया है। इस जीन बैंक के माध्यम से वे अन्य किसानों को विभिन्न प्रकार के मिलेट्स के बीच उपलब्ध कराकर खेती करने हेतु प्रेरित करती हैं, ताकि हमारे देश की पुरातन धरोहर माइनर मिलेट्स का संरक्षण–संवर्धन एवं उत्पादन कर इनका लाभ किसानों को प्राप्त हो सके। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेष आकर्षण का केंद्र लहरी बाई का जीन बैंक में उपलब्ध विभिन्न किस्मों की मिलेट्स की प्रदर्शनी एवं वूमेन के साथ सेल्फी एवं फोटो लेने हेतु लोग विशेष आकर्षित हुये।